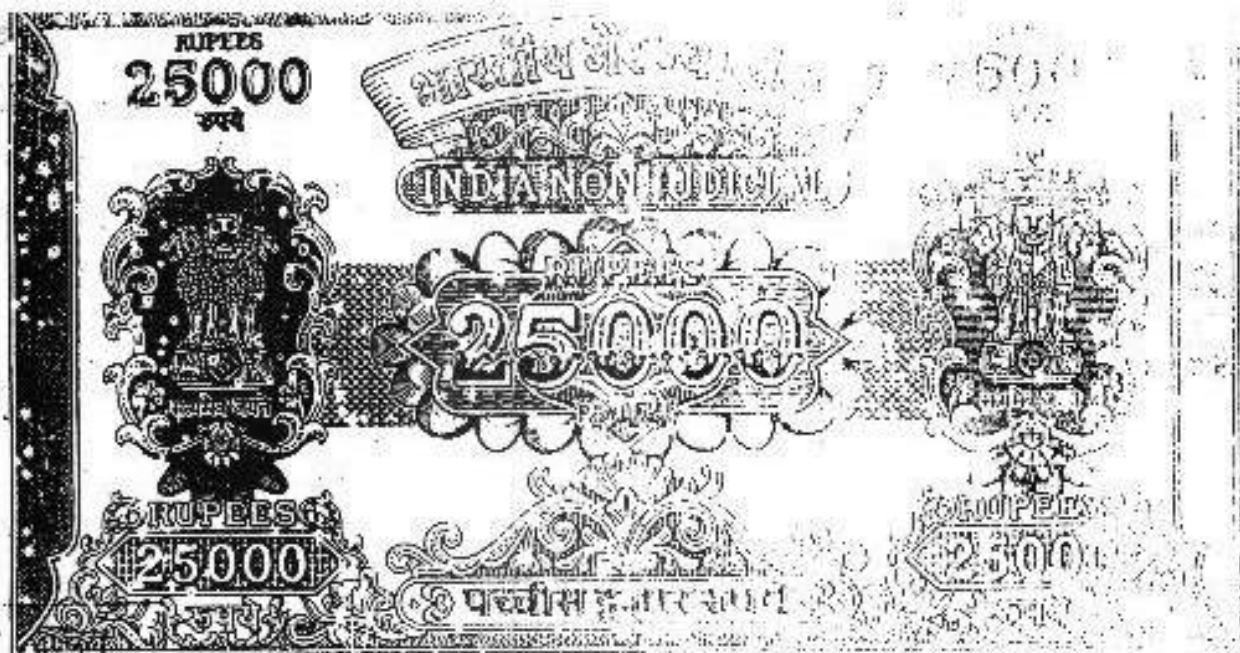




उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



जय श्री दण्ड जी गजराज

वैनामा/विक्रय पत्र

वैनामा सौदा	-	17,82,000/- रुपये
वैनामा मालियती	-	17,82,000/- रुपये
देय स्टाम्प	-	1,78,200/- रुपये
सर्किल रेट	-	30,00,000/- रुपये प्रांत हेक्टेयर
स्थान	-	भोजा बरीली अलीर तहसील व जिला आगरा
विक्रीत आराजी	-	कुल क्षेत्रफल 1.5690 हेक्टेयर में से 0.5939 हेक्टेयर

म. नि. 2-4-19

म. नि. 2-4-19

1782000

प्रमाण पत्र

दिनांक

5000/- 20/- 500/- 500/-

(S. 10)

अभिनेतागणिका (S. 10) 1782000

प्रमाण पत्र (S. 10) 1782000

2 4 12-600

1782000

प्रमाण पत्र

प्रमाण पत्र

दिनांक

1782000 (S. 10) 1782000

1782000

प्रमाण पत्र (S. 10) 1782000

प्रमाण पत्र

दिनांक

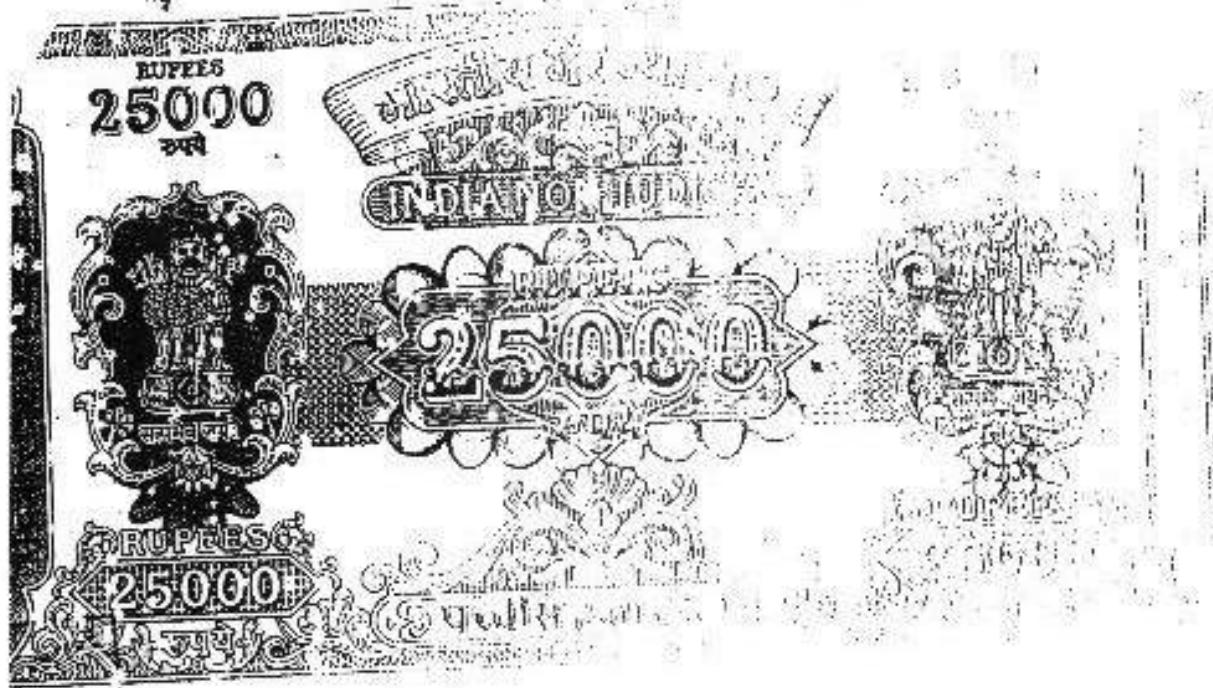
1782000

1782000 (S. 10) 1782000

1782000 (S. 10) 1782000



1782000 (S. 10) 1782000



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(2)

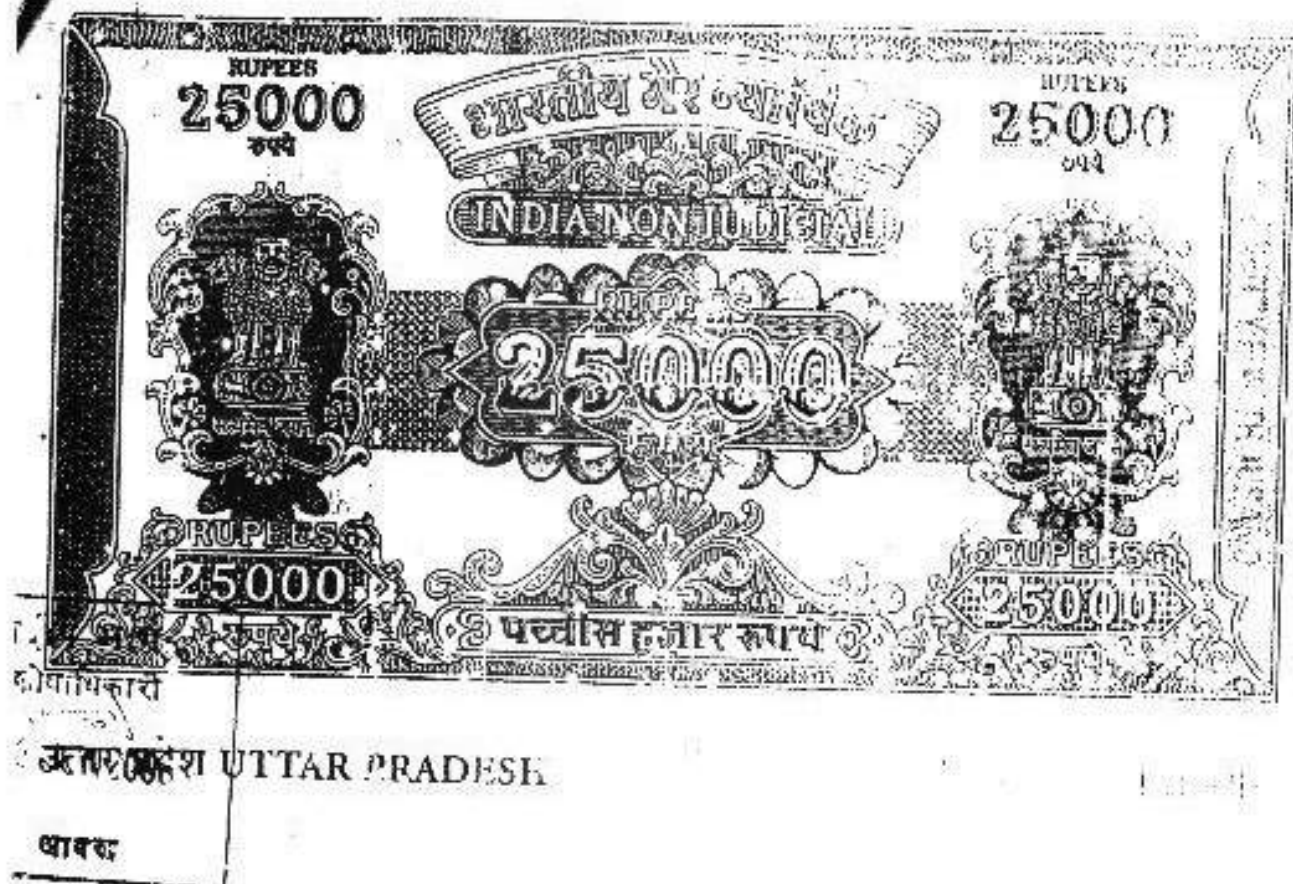
इस कि इन्टर सिटि पुत्र श्री सीताराम नि. काम चरीली अतिर
नहसील व जिला आगरा

एवं

शिखर नि. नि. प्रालि. जी 1, प्रेडस पैराडाइन, सिसम काउन्सिल
आगरा द्वारा निदेशक अभिनव भागवत पुत्र श्री शिव कुमार भागवत
नि. जी-1 प्रेडस पैराडाइन, सदारी कासिम आगरा

केता द्वितीय पक्ष





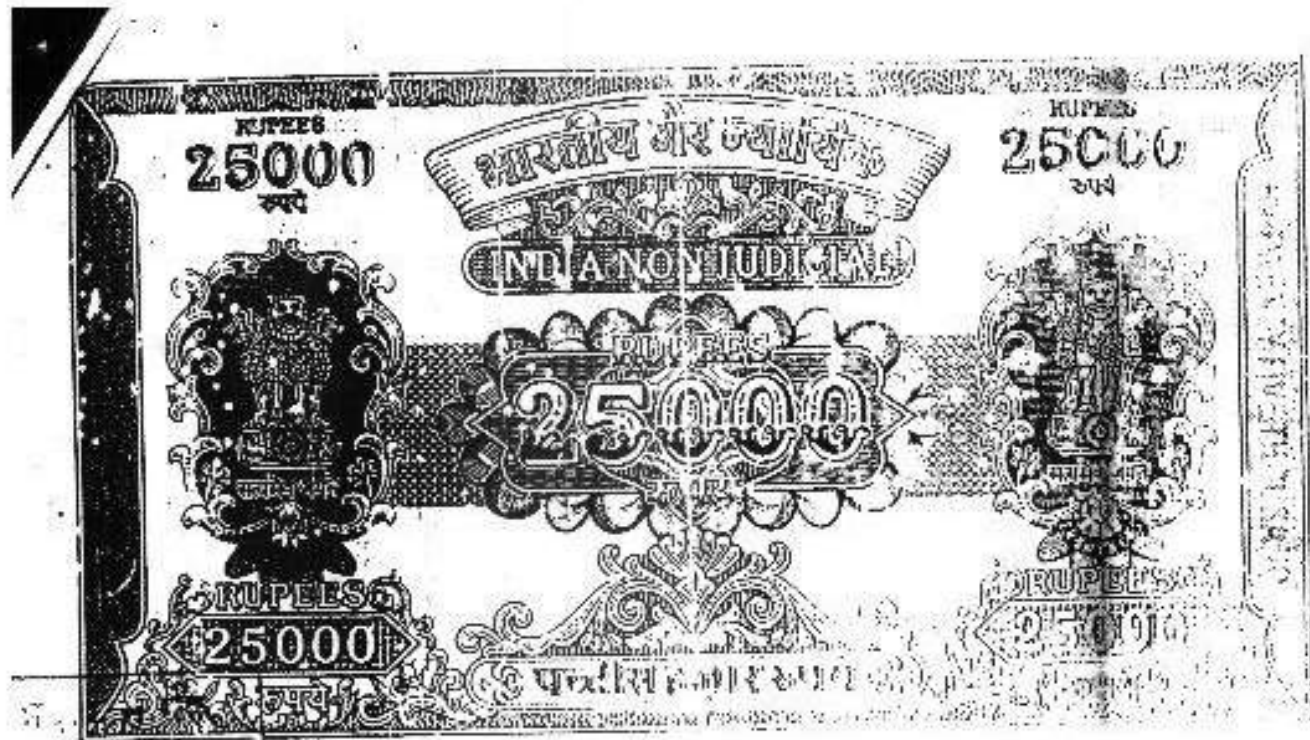
(3)

जो कि एक क़िता आराजी खाता नम्बरी 20 खसरा नम्बरी 402 क्षेत्रफल 1.5690 हैक्टेयर मालगुजारी 78 रुपये 65 पैसे फसली सन् 1408 से 1413 संव.मणीय भूमिधरा क्षेत्री 1क(क) भौमिक अधिकार प्राप्त वर्ष फसली सन् 1402 बाके आम व मौजा बरौली अहीर तहसील व जिला आगरा।

विदित हो कि उपरोक्त आराजी खाता नम्बरी 20 खसरा नम्बरी 402 क्षेत्रफल 1.5690 हैक्टेयर का गै मुक्ति विक्रेता प्रथम पक्ष तनहा गालिक काबिज दखील व स्वामी बला आता हैं उपरोक्त आराजी मजकूर मुअगुकिर विक्रेता प्रथम पक्ष को पैतृक सम्पत्ति है

मि. 8-4-1912

मि. 8-4-1912



सहायक

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

बाद

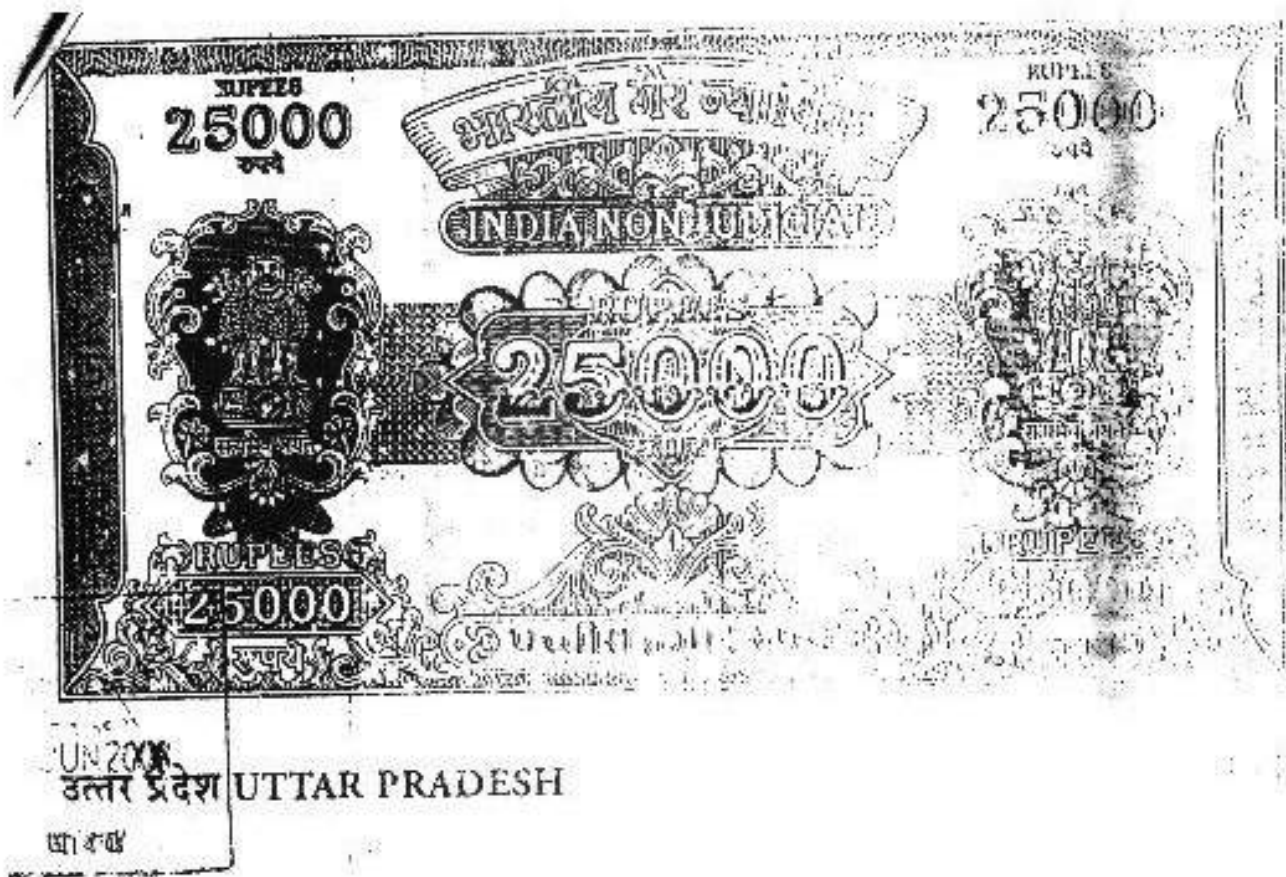
(4)

और मुझमुक्ति विक्रेता प्रथम पक्ष का नाम गणकमल गजपति स्वामी
सदर तहसील आगरा में कृषियुक्त स्थानों के लिये रखा जाता है।
और सिवाय मुझमुक्ति विक्रेता प्रथम पक्ष के उपरोक्त आराजी
मजदूर में अन्य कोई दीगर हज्जदार व हिस्सेदार किसी प्रकार का
नहीं है कि जो माने किसी प्रकार के इत्तकाल और का लेवे और
उपरोक्त आराजी गजपूर आज तक के हर प्रकार के कर्जे व वार
व भार रहन वैय दिवै जेर जमानत आड शिखी बंधक वृण, वाहन
करण, कृषि ऋण व विक्रय व अन्य सभी प्रकार की देनदारियों व

7-23 5-24-118

मजदूर मुक्ति

मजदूर मुक्ति

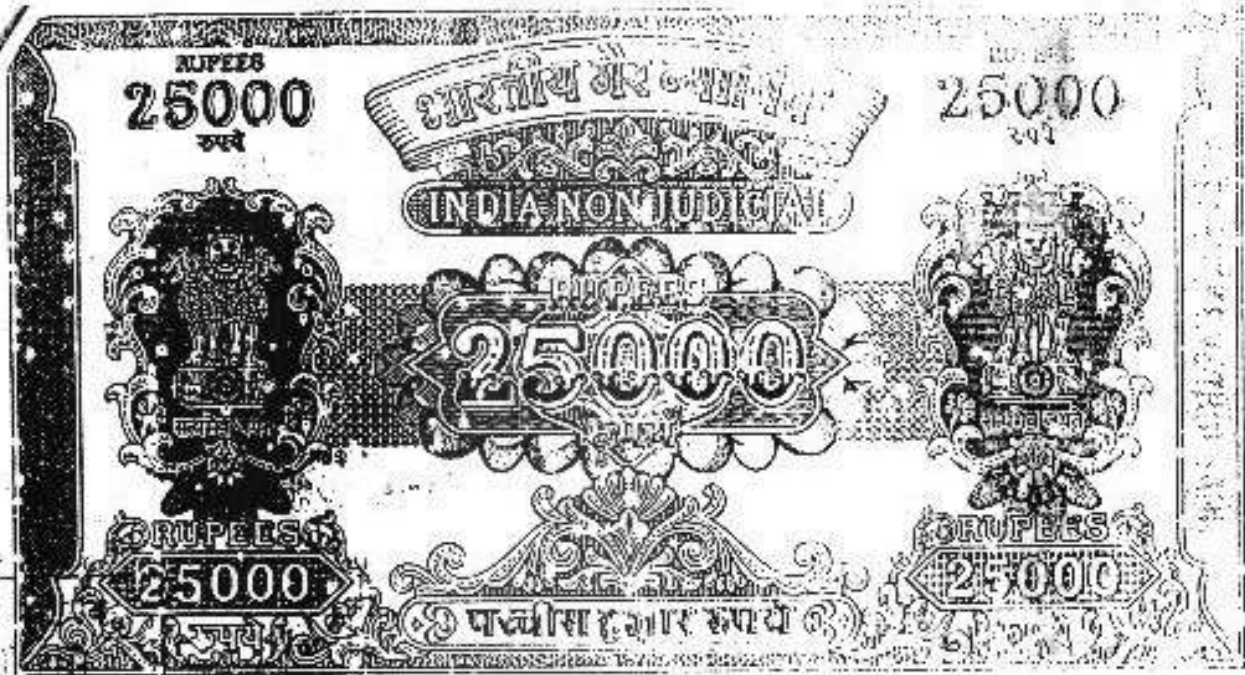


(5)

जिम्मेदारियों आदि से कतई तौर पर पाक व गाफ हैं। अब उपरोक्त आराजी मजकूर का बेचना वास्ते जरूरत खुद व करने भरण पोषण व लालन पालन अपना अपने परिवार का व मिलने माकूल कीमत के मुझमुकिर विक्रेता प्रथम पक्ष को स्वीकार है कि जिसकी व्रंता द्वितीय पक्ष उचित व नाजिव कीमत देने का तैयार व रजामंद है।

लिहाजा मैं मुकिर विक्रेता प्रथम पक्ष खूब सोच व समझकर बिला बहकाये व सिखाये व बिला दबाव किसी नाजायज के प्रसन्न।



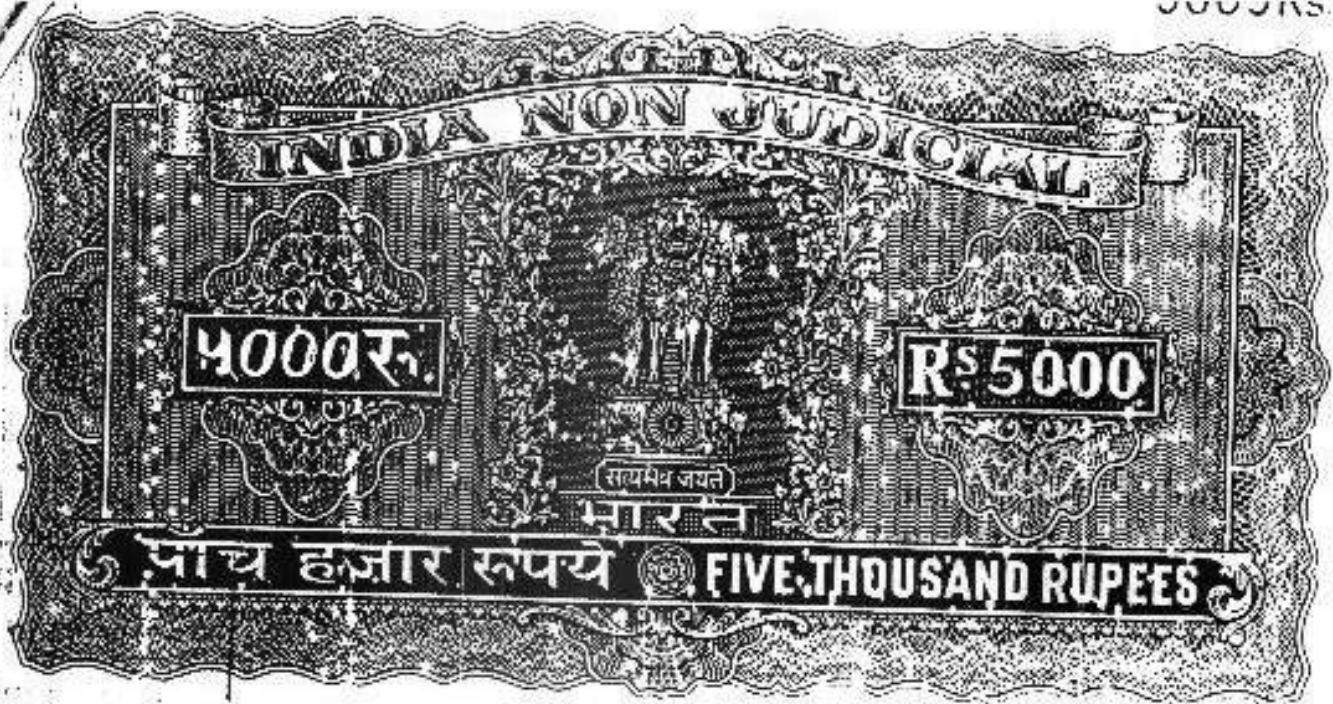


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(6)

चित्त इन्द्रिय मन बुद्धि के बिना खाये पीये किसी नशील पदार्थ के व सलाह व मशविरा किये अपने परिवारीजनों व हितैषियों के अपनी उपरोक्त आराजी खाता नम्बरी 20 खसरा नम्बरी 402 क्षेत्रफल 1.5690 हेक्टेयर में से 0.5939 हेक्टेयर आराजी का विक्रय मय तमाम जुमला हक हकूक के मय दाखिली व आर्जिजी के व बिला छोड़े किसी शे व जुज शे के मय गुड टाईटिल के साथ व एवज मुबल्लिग 17,82,000/-रात्रह लाख बियासी हजार रुपये कि





(7)

आधे जिसके मुबलिंग 8,91,000/-आठ लाख इक्यानवे हजार रुपये होते हैं। मैं बदस्त-शिखर निर्माण प्रा.लि. जी-1, फ्रेण्ड्स पैराडाइज, खंदारी कासिंग आगरा द्वारा निदेशक अभिनव भार्गव पुन श्री शिव कुमार भार्गव ने0 जी-1, फ्रेण्ड्स पैराडाइज, खंदारी कासिंग आगरा क्रेता द्वितीय पक्ष को वैय कतई की और बेच दी और कीमत का कुल धन मुबलिंग 17,82,000/-सत्रह लाख





(8)

बियासी हजार रुपये मुझमुक्तिर विक्रेता प्रथम पक्ष ने केता द्वितीय पक्ष से बर्जारे एकाउण्ट मेरी बैंक नचरी 237304 बिनाक 12-6-2006 जोकि इण्डरसिग बैंक शाखा राज्य फोस आगरा का ठेसला सबरजि. महोदय के बरवक्त बिनाम हाजा के प्राप्ता कर लिये है अब मुझमुक्तिर विक्रेता प्रथम पक्ष का केता द्वितीय पक्ष से आरानी मज कूर की कोमत में कुछ भी लेना व पाना बर्जि नचरे रात है ना





(११)

आयदा होगा। कब्जा व दखल जारानी मजकूर पर मुआमलकर
विक्रेता प्रथम पक्ष ने बहसियत स्वामी के क्रेता द्वितीय पक्ष को बरा
दिया और मालिक मुस्तकल बना दिया अब केला द्वितीय पक्ष को
हक व अधिकार है कि वह आराजी मजकूर से जाते जिन तरह से
फायदा उठावे खुद करे या करावे वक्त आवश्यकता पड़ने पर
उसका रहन वैय हिये मुआहिदा वैय व एक्यूसीवल गोरोन व विक्रय

महाराज



(10)

आदि जो चाहे सो करें। व अपने नाम का नामांकन मद्रकमा गणान खतौनी तहसील आगरा में बहैलियत स्वामी के दर्ज करा लवे कि जिसमें मुझमुक्ति विक्रेता प्रथम पक्ष व वारिसान पेशों को किसी प्रकार का कोई उज्र व एतराज न है ना आशंका होगा।

अगर भविष्य में कोई दीन लोभी या झानदानी या वाक्याती किसी प्रकार का पैसा होकर आराजी भजकूर में आदे और किसी





पाँच

(11)

प्रकार का दावा व झगड़ा केवल द्वितीय पक्ष से करे वह जिसकी वजह से आराजी मजकूर का हिस्सा जुज व कुल केवल द्वितीय पक्ष से निकल जावे या जिसकी वजह से किसी को कोई खर्च अदा करनी पड़े या दायित्व में कोई कानूनी मुकदमा या खर्च या नुकाने से



1000Rs.

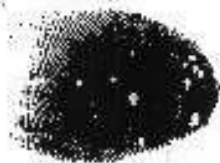


उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

शायरी

(12)

ऐसी तमाम सूरतों में उस कुल की जवाबदेही व ज़म्मेदारी व
अदायगी गुप्तमुक्ति विक्रेता प्रथम पक्ष व वारिसान नेमों की है और
आयोज होगी। क्रेता द्वितीय पक्ष की हक व अधिकार होगा कि वह
अपना रुपया मय हजो खर्चा मय असल रकम व मय खर्च के





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(3)

मुझमुक्तिर विक्रेता प्रथमपक्ष व वारिसान मेरो के बाद जिस तरफ से वसूल कर लेवे जिसमे मुझमुक्तिर विक्रेता प्रथम पक्ष व वारिसान मेरो को किसी प्रकार का कोई उल्लेख व एतराज न है ना आशंका होगा।

विक्रेता व क्रेता अनुसूचित जाति के सदस्य नहीं हैं तथा विक्रीत आराजी मजदूर कृषि भूमि है। तथा कृषि भूमि ही विक्रय की



1000Rs.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

(14)

जा रही है। तथा विक्रीत आराजी मजदूर नमूल राजकीय आश्रान
देवस्थान या पट्टे की भूमि नहीं है और ना ही इसका आविष्करण
किसी भी योजना के लिए किया गया है ना ही इसका गुआवज
आदि कहीं से प्राप्त किया है और ना ही इसका कब्जा दखल किसी





(15)

अन्य को दिया है। उपरोक्त आराजी का विक्रीत भाग खसरा नबरी 401 से लगा हुआ है। उपरोक्त आराजी मजकूर के विवरण में स्टाम्प एक्ट की धारा 27(एक) का उल्लंघन नहीं किया गया है न ही कोई तथ्य छिपाया गया है।





(16)

उपरोक्त आराजी गजपूर की वास्तविक कीमत 12,82,000/- रुपये में विक्रय किया जा रहा है तथा निजीत कीमत पर ही मुबलिंग 1,78,200/- रुपये का स्टाम्प अदा किया जा रहा है जो रखाधिक है जिसमे सरासर फायदा राजस्व का है।

सहायक सचिव, राजस्व विभाग

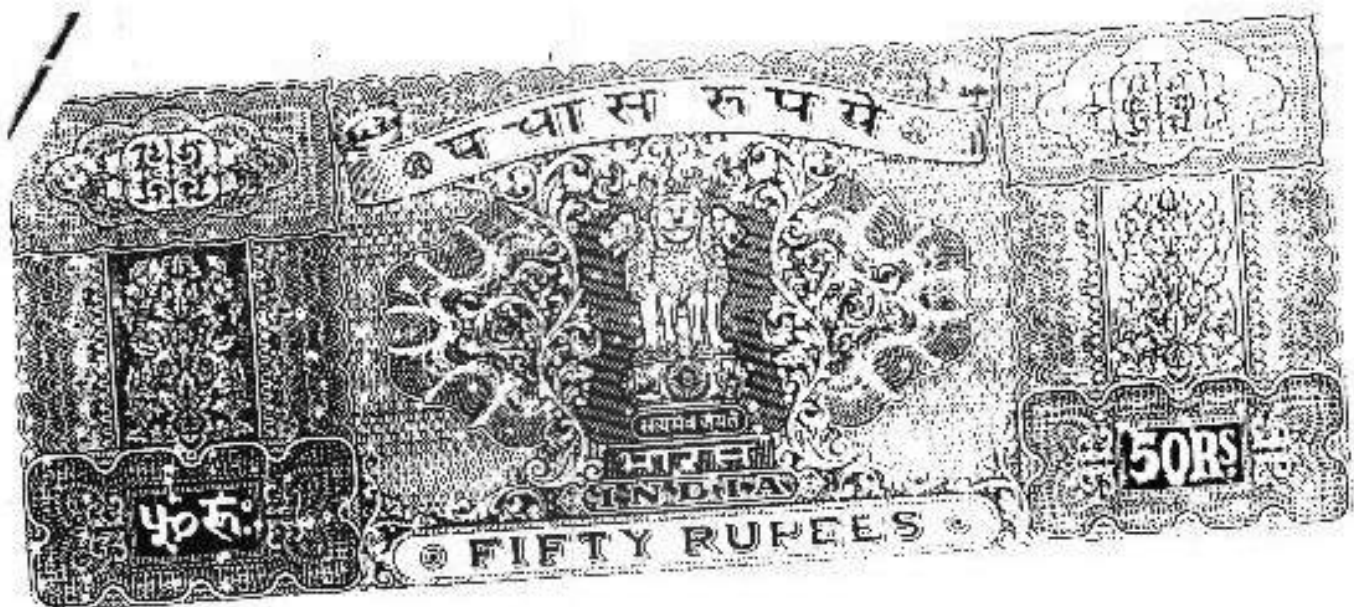
महाराष्ट्र सरकार



11/5

सिद्धाजी यह बेनामा हस्तक्षेप के ब्यापार विना बिना
नधा हस्तक्षेप के सिद्धाजी व सिद्धाजी मन्त्रालय द्वारा की गई
ताकि शान्त रहे व समय पर काम जावे। तदर्थ सिद्धाजी
12.6.2006 व मसौदा कुलदीप राय एडवोकेट, सदर तहसील
आगरा

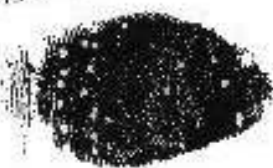




(18)

टंकणकर्ता ललित कुमार सदर तहसील आगरा

अ. नं. 8-4/1/18



अ. नं. 8-4/1/18



गवाह :- रामअवतार यादव पुत्र श्री गिराज सिंह
निवासी :- ग्राम बरौली अहीर तहसील व जिला आगरा

22/10/18



गवाह :- मुकेश पुत्र स्व. श्री रामकिशन
निवासी :- एल.आई.जी. बी.-346, शास्त्रीपुरम सिकन्दरा आगरा

11. दिनांक 12/06/2024

1285-3162

संख्या नज़री आराजी वाले मौजा करौली अहीर तह व

लिखा आगरा

आता संख्या 20

आमरा नम्बरी 402

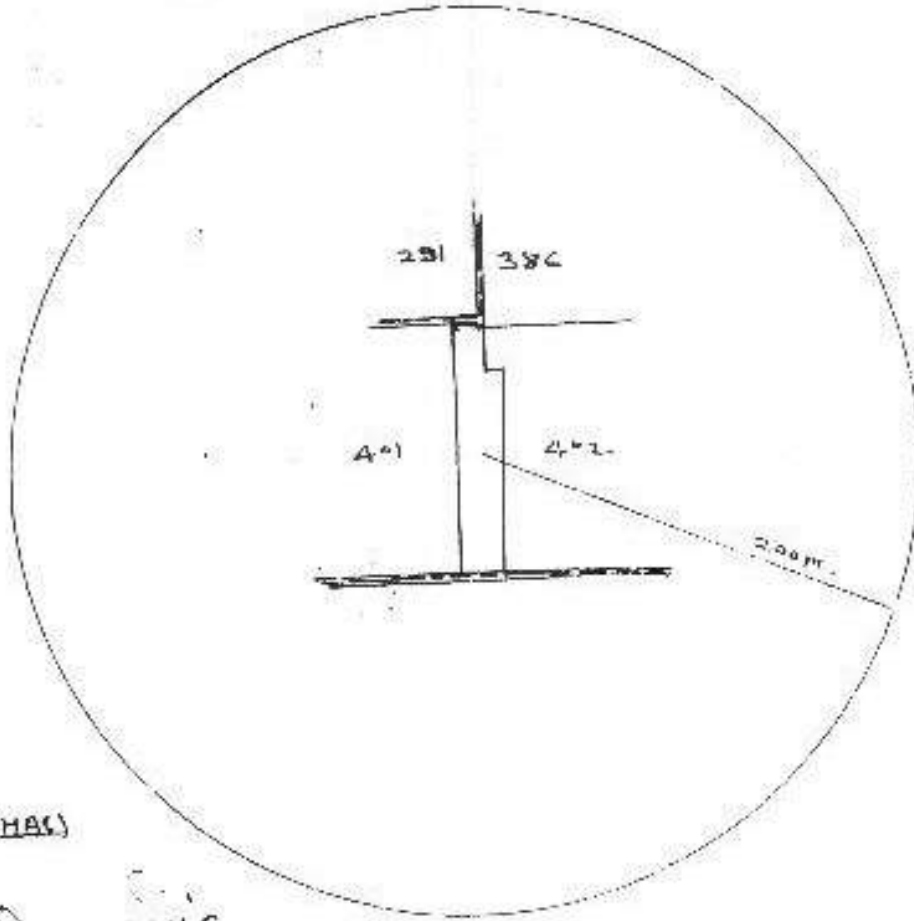
आवादा 15690

हेक्टेयर में 0.5939 हे

बिकेता इन्दर सिंह

अहीर तह शिखर निर्माण ज. ली. आगरा

उत्तर



(ORIGINAL)

अ. ली. इ. न. र. स. ह.



अ. ली. इ. न. र. स. ह.



अ. ली. इ. न. र. स. ह.
अ. ली. इ. न. र. स. ह.
अ. ली. इ. न. र. स. ह.
अ. ली. इ. न. र. स. ह.